प्रश्न – नैनो तकनीक (Nano Technology) को 21वीं सदी की एक प्रमुख तकनीक माना जा रहा है। लेकिन इसके विकास के नियमों एवं कानूनों का ना होना कहीं न कहीं भारत को तकनीक के क्षेत्र में पिछड़ने का अनुभव कराता है। इस संदर्भ में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों को बताएँ।

(200 शब्द)

Nano Technology is considered to be a main technology of the 21st century but the absence of rules and regulations for its development shows somewhere Indians being backward in the field of Technology. In this context tell the guidelines issued by the Department of Science and Technology.

(200 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में नैनो तकनीक के बारे में बताएँ।
- पैरा चेंज करते हुए बताएं कि नैनो तकनीक को 21वीं सदी की एक प्रमुख तकनीक क्यों माना जा रहा है।
- अगले पैरा में बताएं कि भारत में इस क्षेत्र में अभी तक कानून क्यों नहीं बना है।
- विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

नैनो तकनीक से अति सूक्ष्म स्तर पर वस्तु की क्रियाशीलता बढ़ाकर वस्तुओं में गुण देखे जाते हैं जो सामान्य आकार की वस्तुओं से अलग होते हैं, इन्हीं गुणों का अध्ययन नैनो तकनीक कहलाता है।

21वीं सदी नैनो सदी बनने जा रही है। आज वस्तुओं के आकार को छोटा और मजबूत बनाने की होड़ सी मची हुई है। विभिन्न क्षेत्रों में नैनो तकनीक विकसित करने के लिए दुनियाभर में बड़े पैमाने पर शोध हो रहे हैं। अति सूक्ष्म आकार मजबूती और टिकाऊपन के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन, ऑटो मोबाइल, बायोसाइंस जैसे तमाम क्षेत्रों में नैनो टेक्नोलॉजी की असीम संभावनाएं बन रही हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि नैनो तकनीक के विकास में नियमों और कानूनों का न होना है। नैनो तकनीक को आए हुए लम्बा समय हो चुका हैं, लेकिन अब तक इसके नियम कानून नहीं बने हैं। जिससे भारत कहीं न कहीं नैनों तकनीक के क्षेत्र में पिछड़ सकता है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश निम्नलिखित हैं-

- भारत को नैनो तकनीक के क्षेत्रों में आर एंड डी को प्रोत्साहित करना चाहिए अधिक निवेश विदेशी विश्वविद्यालयों का प्रवेश के साथ अकादमिक संबंध को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- दिशा-निर्देश में यह भी कहा गया है कि नैनो टेक्नोलॉजी के महत्वपूर्ण संवेदनशीलता का कैसे मानव शरीर और खाद्य श्रृंखलाओं पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, इस पर भी ध्यान देना चाहिए।
- खतरों को पहचानना, सुरक्षा उपाय आदि कई निर्देश है।

अंत में संक्षिप्त, संतुलित व संतुलित निष्कर्ष दें।

नोटः- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।